

न्यायालय राजस्व मण्डल, म० प्र० ग्वालियर

समक्ष

श्रीमती मधु खरे

सदस्य

निगरानी प्रकरण क्रमांक 828-दो/2015 विरुद्ध आदेश दिनांक
17.04.2015 पारित द्वारा तहसीलदार, बड़नगर जिला उज्जैन-
प्र० क० 101 बी 121/2014-15

राहुल पुत्र सुरेश ग्राम खरसौद कलॉ
तहसील बड़नगर जिला उज्जैन
विरुद्ध

---आवेदक

सरपंच ग्राम पंचायत खरसौद कलॉ
तहसील बड़नगर जिला उज्जैन

---अनावेदक

(श्री धमेन्द्र चतुर्वेदी अभिभाषक - आवेदक)

अ ा द े श

(आज दिनांक 01-10-2015 को पारित)

तहसीलदार, बड़नगर जिला उज्जैन द्वारा प्रकरण क्रमांक
101 बी 121/2014-15 में पारित अंतरिम आदेश दिनांक
17-4-2015 के विरुद्ध म.प्र. भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा
50 के अंतर्गत यह निगरानी प्रस्तुत की गई है।

2/ प्रकरण का सारौंश यह है कि आवेदक द्वारा निगरानी मेमो
में दिये गये विवरण अनुसार उसे ग्राम पंचायत खरसौद कलॉ ने
तैयार कराये गये मार्केट में भूखंड आवंटित किया, जिस पर उसके
द्वारा दुकान निर्माण कर मोवायल रिपेयरिंग एवं फोटो कापी मशीन
का व्यवसाय किया जा रहा है, परन्तु तहसीलदार बड़नगर ने
आवेदक के विरुद्ध प्र. क. 101 बी 121/2014-15 पंजीबद्ध कर
उक्तांकित भूखंड अतिक्रमण मानकर अंतरिम आदेश से नोटिस जारी
कर उत्तर मांगा, जो आवेदक ने दि. 17.4.2015 को प्रस्तुत
किया। इसी अंतरिम आदेश के विरुद्ध यह निगरानी की गई है।

(3)

(3)

3/ निगरानी मेमो में दर्शाए बिन्दुओं पर एवं निगरानी की ग्राह्यता पर आवेदक के अभिभाषक को सुना तथा प्रस्तुत अभिलेख का अवलोकन किया गया।

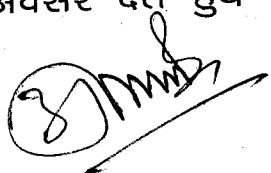
4/ आवेदक के अभिभाषक ने वही तर्क दोहराये हैं जो उन्होंने निगरानी मेमो में अंकित किये हैं, परन्तु आवेदक के अभिभाषक यह नहीं बता सके कि तहसीलदार बड़नगर द्वारा प्रकरण क्रमांक 101 बी 121/2014-15 में पारित अंतरिम आदेश दिनांक 17-4-2015 से वह किस कारण से व्यथित हैं, जबकि तहसीलदार का अंतरिम आदेश दिनांक 17-4-15 इस प्रकार है :-

**** प्रकरण पेश. अना.राहुल एवं सुमित का नोटिस तामील उपरांत पेश । अना. राहुल की ओर से अभि. एम.एल.यादव द्वारा अभिभाषक पत्र पेश । प्रकरण में अना. अभि. द्वारा जबाव पेश । प्रकरण CF 27-4-15 ****

तहसीलदार बड़नगर द्वारा प्रकरण में जांच जारी है एवं आवेदक को तहसीलदार के समक्ष सुनवाई का समुचित अवसर प्राप्त है जहाँ वह अपना पक्ष प्रबलरूप से प्रस्तुत कर सकता है। इसके अतिरिक्त यह निगरानी अधीनस्थ न्यायालय द्वारा M.P.L.R.C. के अंतर्गत पारित

किसी आदेश के विरुद्ध नहीं की गई है जबकि M.P.L.R.C. की धारा 50 के अंतर्गत राजस्व मण्डल के समक्ष अधीनस्थ राजस्व अधिकारियों द्वारा किए गए किसी आदेश के विरुद्ध हो सकती है।

5/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर तहसीलदार, बड़नगर जिला उज्जैन द्वारा प्र. क. 101 बी 121/2014-15 में पारित अंतरिम आदेश दि. 17-4-2015 हस्तक्षेप योग्य न होने निगरानी अग्राह्य की जाती है। तहसीलदार बड़नगर को निर्देश दिये जाते हैं कि वह आवेदक को सुनवाई का एवं लेखी/मौखिक साक्ष्य प्रस्तुत करने का पर्याप्त अवसर देते हुये प्रकरण का शीघ्र निराकरण करें।



(श्रीमती मधु खरे)
सदस्य

राजस्व मण्डल, म० प्र० ग्वालियर